गरवी गुजरात

TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 216
दि. 07.12.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in


## आंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस: सीएम योगी बोले-बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनेगी

लखनऊ (जीएनएस)। डॉ. भीमराव आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस आज मनाया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ आंबेडकर महासभा कार्यालय में होने वाले कार्यक्रम में शरीक हुए।

सीएम योगी ने शनिवार को कहा, बाबा साहब की मूर्तियों के साथ अक्सर शरारती तत्व छेड़छाड़ करते हैं। हमारी सरकार निर्णय ले रही है कि बाबा साहब की हर मूर्ति के आसपास सुरक्षात्मक बाउंड्री वॉल बनाई जाए, ताकि उनकी प्रतिमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिस मूर्ति के ऊपर छत नहीं होगी, वहां छत बनवाएंगे। यदि कहीं कोई काम छूट गया है, तो उसे भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा। आज इस पावन अवसर पर मैं बाबा साहब की पावन स्मृति को नमन करता हूं।

अभी यहां लालजी प्रसाद निर्मलजी ने चतुर्थ श्रेणी संविदा सफाई कर्मियों की समस्या का उल्लेख किया। हमारी सरकार ने इस पर निर्णय ले लिया है। कॉरपोरेशन का गठन किया गया है और अगले एक-दो महीनों में यह सुनिश्चित कर दिया जाएगा कि हर चतुर्थ श्रेणी के कर्मी और संविदा कर्मी को न्यूनतम मानदेय की गारंटी सरकार की ओर से मिले। यह कदम भी सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

हम सबको यह समझना होगा कि जो भी सुविधाएं और सम्मान आज वंचित वर्गों को मिल रहा है, वह बाबा साहब की दी हुई प्रेरणा का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में देश 'नए भारत' की ओर बढ़ रहा है। पंचतीर्थ का निर्माण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों के लिए नई छात्रवृत्ति योजनाएं यह सब बाबा साहब के समानता और आत्मसम्मान के विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

हजरतगंज स्थित आंबेडकर महासभा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा बुद्ध वंदना एवं त्रिशरण पंचशील के पाठ से हुआ।

पाठ्यक्रमों में शामिल हो संविधान की उद्देशिका : निर्मल

डॉ. आंबेडकर महासभा ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने शुक्रवार को सीएम योगी से मिलकर संविधान की प्रति भेंट की थी। उन्होंने सीएम से आग्रह किया था कि सरकारी पाठ्यक्रमों में संविधान की उद्देशिका, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्य, नीति निर्देशक तत्व, संघीय ढांचा और न्यायपालिका की

स्वतंत्रता आदि महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया जाए।

वहीं दूसरी ओर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा कि सपा और उसके मुखिया शुरू से ही आरक्षण और दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव आंबेडकर के विरोधी हैं। मुख्यमंत्री रहते अखिलेश ने दलित कर्मचारियों के प्रोन्नति में आरक्षण खत्म किया। दो लाख दलित कर्मियों को पदावनत कर अपमानित किया। दलितों का वोट पाने की खातिर वह आरक्षण और आंबेडकर की बात करने लगे हैं।

बसपा ने रद्द की रैली

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती 6 दिसंबर को संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नोएडा में प्रस्तावित रैली को संबोधित नहीं करेंगी। वह अपने आवास पर ही डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी।

बसपा सुप्रीमो का कहना है कि ऐसे आयोजनों में उनकी सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यकताओं और उनके परिवारों को होने वाली असुविधा की वजह से यह फैसला लिया है। बसपा सुप्रीमो ने जारी अपने बयान में कहा कि महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि के मौकों पर बहुजन समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों स्मारक स्थलों पर भीड़ उमड़ती है। इस दौरान मेरा अनुभव रहा है कि मेरे जाने पर मेरी सुरक्षा प्रबंध के नाम पर जो सरकारी व्यवस्था की जाती है, जो जरूरी भी है, उससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

बाबा साहब पर कार्यक्रम की अनुमति न मिलने से सपा नाराज

डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में 6 दिसंबर के कार्यक्रम को अनुमति न मिलने पर सपा ने नाराजगी जताई है। सपा ने इसे अलोकतांत्रिक और बाबा साहब के प्रति दुर्भावनापूर्ण रवैया करार दिया है।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में सांसद आरके चौधरी ने कहा कि इस कार्यक्रम में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भाग लेना था। भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस प्रशासन ने कार्यक्रम रद्द किए जाने की सूचना दी। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे और हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि श्रद्धांजलि सभा को रद्द करने से साबित हो गया कि भाजपा बाबा साहब से नफरत करती है। संविधान गरीबों, वंचितों, पिछड़ों का हथियार है। प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती और महासचिव राम बाबू सुदर्शन मौजूद रहे।

## उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन एकता नगर, गुजरात में सरदार @150 यूनिटी मार्च - राष्ट्रीय पदयात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन आज गुजरात के एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में सरदार @150 यूनिटी मार्च-राष्ट्रीय पदयात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय पदयात्रा के समापन में भाग लेना उनके लिए अत्यंत सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि पदभार ग्रहण करने के बाद महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल की पावन धरती की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है।

उन्होंने 26 नवंबर - संविधान दिवस - से शुरू होने वाली पदयात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि 1,300 से अधिक पदयात्राओं में 14 लाख से अधिक युवाओं की भागीदारी सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा जलाई गई एकता की अमिट ज्योति को दर्शाती है।

अपनी पदयात्रा जिसमें 19,000 किलोमीटर की रथ यात्रा और तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में नदियों को जोड़ने, आतंकवाद के उन्मूलन, समान नागरिक संहिता को लागू करने, अस्पृश्यता को समाप्त करने और मादक पदार्थों की रोकथाम जैसे मुद्दों पर की गई कई पदयात्राएं शामिल हैं - के अनुभवों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी यात्राएं लोगों से जुड़ने और एकता एवं राष्ट्रीय उद्देश्य का संदेश फैलाने का सशक्त माध्यम हैं।

उन्होंने 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में सरदार पटेल की ऐतिहासिक भूमिका को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा:

"हमारा राष्ट्र अखंड भारत की मजबूत नींव रखने और उसके एकीकरण के लिए लौह पुरुष का सदैव ऋणी रहेगा।"

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि सरदार पटेल की एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में साकार हो रही है।

उन्होंने पिछले दशक में आर्थिक, सामाजिक, सैन्य और रणनीतिक रूप से भारत की तीव्र प्रगति के साथ-साथ विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में इसकी निरंतर यात्रा का उल्लेख किया।

## 7.0 तीव्रता के भूकंप के तेज झटकों से दहला ये देश, 20+ आफ्टरशॉक्स से लोग सहमे

अमेरिका के अलास्का और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा के पास शनिवार को 7.0 तीव्रता का एक भयानक भूकंप महसूस किया गया। अलास्का की राजधानी जूनो से लगभग 370 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में और युकोन के व्हाइटहॉर्स से 250 किलोमीटर पश्चिम में केंद्रित यह भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया। राहत की बात यह रही कि यह इलाका कम आबादी वाला और ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय है, जिसके चलते किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

## श्री पीयूष गोयल ने एमिटी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रतिभाओं के विकास में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर प्रकाश डाला

**श्री गोयल ने युवा भारतीयों से सार्वजनिक जीवन को अपनाने के प्रधानमंत्री के आ'ान को दोहराया**

**श्री गोयल ने शिक्षकों और अभिभावकों की प्रशंसा की, स्नातकों से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया**

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिभाशाली प्रतिभाओं को वापस लौटने के लिए प्रोत्साहित करने, उनकी क्षमताओं को निखारने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने से बड़ा कोई योगदान नहीं हो सकता जो उनकी क्षमता को पहचाने और उसका सम्मान करे। ऑनलाइन और कैंपस में शिक्षा प्राप्त करने वाले लगभग 29,000 छात्रों के स्नातक बैच को बधाई देते हुए, मंत्री महोदय ने कहा कि छात्रों और पुरस्कार विजेताओं की उपलब्धियाँ ही इस समारोह का मुख्य आकर्षण हैं।

श्री गोयल ने छात्रों को प्रदान किए जाने वाले विविध अवसरों का उल्लेख किया और छात्रवृत्तियों के माध्यम से योग्यता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की जो आवश्यकता-रहित प्रवेश को संभव बनाती हैं। उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि आधी छात्र संख्या युवा महिलाओं की है और उन्होंने विश्वविद्यालय की मजबूत नवाचार संस्कृति की प्रशंसा की जहाँ छात्रों के पास 450 से अधिक पेटेंट हैं। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान दिलाया कि 50 संकाय सदस्य रामलिंगम स्वामी फेलो हैं जो राष्ट्र की सेवा के लिए वापस लौटे हैं।

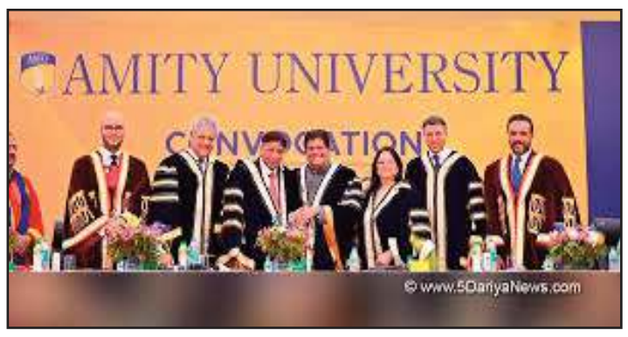


मंत्री महोदय ने महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत को याद करते हुए समानता, सामाजिक सद्भाव और सभी के लिए अवसर के संवैधानिक मूल्यों को दोहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा वंचित वर्गों के उत्थान का आधार है और छात्रों को समाज और राष्ट्र के प्रति उनके कर्तव्यों का स्मरण कराया।

मंत्री महोदय ने स्नातक छात्रों को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और कहा कि अगले 25 वर्ष विकसित भारत के लिए निर्णायक युग होंगे। उन्होंने छात्रों से अपने चुने हुए क्षेत्रों को अगले स्तर तक ले जाने, सीमाओं को आगे बढ़ाने और राष्ट्रीय प्रगति में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में एक लाख युवक-युवतियों से सार्वजनिक जीवन और राजनीति को एक व्यवसाय के रूप में अपनाने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि राजनीति में ऐसे समर्पित व्यक्तियों की आवश्यकता है जो राष्ट्र के लिए काम करने को तत्पर हों, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी बनाए रखें और देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपनी ज़िम्मेदारियों और कर्तव्यों को समझने के लिए प्रेरित करें—पहले अपने परिवार के प्रति, फिर समाज के प्रति और अंततः राष्ट्र के प्रति।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि अधिक विश्वविद्यालय छात्रों को सार्वजनिक जीवन और राजनीति को और गहराई से समझने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, और यह भी बताया कि एमिटी विश्वविद्यालय राजनीति विज्ञान को एक विषय के रूप में पढ़ाता है।

## डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने राष्ट्रीय संचार अकादमी - वित्त में विशेष फाउंडेशन कोर्स 2025 के समापन समारोह में भाग लिया

**डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने 15 अखिल भारतीय और केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षुओं को अपने चुने हुए क्षेत्रों में विषय विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोत्साहित किया**

(जीएनएस)।

केन्द्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्र शेखर पेम्मसानी 6 दिसंबर 2025 को राष्ट्रीय संचार अकादमी-वित्त (एनसीए-एफ) में आयोजित स्पेशल फाउंडेशन कोर्स 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि रहे। एनसीए-एफ दूरसंचार विभाग, भारत सरकार के अधीन एक 'सर्वोत्कृष्ट' (5-स्टार) रेटेड केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान है।

डॉ. चंद्र शेखर पेम्मसानी ने समापन संबोधन में अधिकारी प्रशिक्षुओं को अपने चुने हुए क्षेत्रों में विषय-वस्तु विशेषज्ञ बनने का आ'ान किया और इस बात पर

बल दिया कि दक्षता ही सार्वजनिक सेवा में विश्वसनीयता का आधार है। उन्होंने कहा कि धर्म के मार्ग पर दृढ़ रहने से अधिकारी भ्रष्टाचार को निश्चयपूर्वक अस्वीकार कर सकते हैं और अंततः विजय प्राप्त करते हैं। स्व-जागरूकता पर जोर देते हुए, उन्होंने आगाह किया कि 'अहंकार आपका शत्रु है' और अधिकारी प्रशिक्षुओं से आग्रह किया कि वे अपने कार्यों के प्रभाव पर विचार करें। टीमवर्क के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने अधिकारियों को यह संदेश दिया कि वे अपने से बेहतर लोगों से प्रतिस्पर्धा न करें, बल्कि उनके साथ मिलकर कार्य करें, क्योंकि सार्वजनिक संस्थान मजबूत प्रणालियों पर चलते हैं। उन्होंने अंत में अधिकारी प्रशिक्षुओं को यह स्मरण कराया कि भारत के 1.4 अरब नागरिकों की सेवा करने का अवसर लोक सेवा का सबसे बड़ा उपहार है। यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, 2024 के माध्यम से चयनित 15 अखिल भारतीय और केंद्रीय सिविल सेवाओं के 176 अधिकारी प्रशिक्षुओं (ओटी) के लिए लाल बहादुर शास्त्री प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए), मसूरी के सहयोग से 15 सितंबर से 5 दिसंबर 2025 तक विशेष फाउंडेशन कोर्स आयोजित किया गया। युवा सिविल सेवकों को भारत के प्रशासनिक, सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य से परिचित कराने और सेवाओं में एकता की भावना का निर्माण करने के लिए डिजाइन किए गए इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अनुशासन, नैतिकता, व्यावसायिकता, सेवा भाव को विकसित करना, साथ ही नौकरशाही, शिक्षा जगत, नागरिक समाज के साथ-साथ चिकित्सकों और उद्योग विशेषज्ञों के प्रख्यात वक्ताओं के नेतृत्व में सत्रों के माध्यम से क्रॉस-सर्विस लर्निंग के लिए एक मंच प्रदान करना था।

## करमसद से प्रारंभ हुई 'सरदार@150' राष्ट्रीय एकता पदयात्रा 11 दिनों के परिभ्रमण के बाद एकता नगर में समाप्त हुई

**एक और अखंड भारत के निर्माण में सरदार साहब का योगदान पीढ़ियों तक अमर रहेगा : उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन**

गांधीनगर, 06 दिसंबर : लौह पुरुष, देश के प्रथम गृह मंत्री, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में उन्हें स्मरणांजलि देने के लिए करमसद से शुरू हुई 'सरदार@150' राष्ट्रीय एकता पदयात्रा 11 दिनों के परिभ्रमण के बाद शनिवार को एकता नगर स्थित सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' परिसर में समाप्त हुई। एकता पदयात्रा के समापन समारोह में उपस्थित उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने इस पदयात्रा को भारत की अमर आत्मा का उत्सव करार दिया। उन्होंने गर्व से कहा कि एकता पदयात्रा देश के जन एवं मन को जोड़ने का माध्यम बनी है, जिसमें एकता, कर्तव्य और राष्ट्र निर्माण की भावना का समन्वय देखने को मिला।

उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि सरदार पटेल हमारे श्रेष्ठ राष्ट्रीय नायक थे, जिन्होंने कुशल नेतृत्व प्रदान कर 560 से अधिक रियासतों को एकीकृत किया। एक और अखंड भारत के निर्माण में सरदार साहब का योगदान पीढ़ियों तक अमर रहेगा।

उन्होंने गौरव से कहा कि देश भर में 1300 से अधिक पदयात्राओं में 14 लाख से अधिक युवाओं की भागीदारी यह सिद्ध करती है कि सरदार पटेल द्वारा प्रज्वलित की गई एकता की ज्योति आज भी जल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरदार साहब से जुड़ी इस पदयात्रा ने पूरे देश में एकता, भाईचारे और एक भारत, श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत का संदेश फैलाया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरदार साहब ने अपने सादगीभरे व्यक्तित्व से दुनिया को संदेश दिया था कि 'एग्रीकल्चर इज अवर कल्चर' यानी कृषि ही हमारी संस्कृति का मूल है, और यही हमारी पहचान है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोकर भारत को एक, अखंड और मजबूत बनाया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुजरात दुनिया को अहिंसा और सत्य का मार्ग बताने वाले महात्मा गांधी जी, देश को एकता के सूत्र में बांधने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल और विकास को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने वाले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जन्मभूमि है।

# सम्पादकीय

## भारत की बांग्लादेश को सीधी बात

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बांग्लादेश की अपदस्थ प्राधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना के भारत में रहने की अवधि के बारे में उन लोगों के संदेह को हमेशा के लिए समाप्त कर दिया जो बार-बार पूछते थे कि आखिर वह कब तक भारत में रहेंगी? बांग्लादेश और भारत में यह चर्चा का विषय बना हुआ था जिस पूर्व प्राधानमंत्री को एक अदालत से मौत की सजा मिल चुकी है, वह भारत में आश्रय लेकर कब तक रह सकती हैं? इस सवाल का विदेश मंत्री ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि श्रीमती शेख हसीना जब तक चाहें तब तक भारत में रह सकती हैं। डॉ. जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर यह बात हिन्दुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट के दौरान शनिवार को कहीं।

डॉ. जयशंकर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि बांग्लादेश में लोकतंत्र की हालत ठीक नहीं है।

असल में पूर्व प्राधानमंत्री शेख हसीना और उनका परिवार भारत से बहुत नजदीकी रिश्ता रखता है। बंग बंधु शेख मुजीबुर्रहमान के समय से ही इस परिवार का दूसरा घर भारत रहा है। इसलिए पूर्व प्राधानमंत्री शेख हसीना अच्छी तरह इस बात को जानती हैं कि भारत में रहकर वह और उनका परिवार पूरी तरह सुरक्षित है। श्रीमती शेख हसीना और उनका परिवार इस बात को अच्छी तरह समझता है कि उनके प्रात्यर्पण के लिए भारत किसी भी हालत में तैयार नहीं होगा। अंतर्राष्ट्रीय विधि में राजनीतिक आरोपियों का प्रात्यर्पण उन्मुक्ति मिली है। रही बात पूर्व प्राधानमंत्री शेख हसीना के प्रात्यर्पण को मिली मौत की सजा के बाद भी आश्रय देने का तो इस संदर्भ में भारत पचड़े में नहीं पड़ना चाहता। भारत यह सफाई देने की जरूरत भी नहीं समझता कि जिस अदालत ने मौत की सजा दी है उसमें पाटा विशेष बीएनपी और जमायते इस्लामी के वकीलों को जज बनाया गया है जो वर्षो तक हसीना की पाटा अवामी लीग की खिलाफत करते रहे हैं। यह बांग्लादेश का आन्तरिक मामला हो सकता है किन्तु मानवता के खिलाफ किसी भी कार्य को शासकीय या न्यायिक लबादे से ढककर न्याय संगत नहीं ठहराया जा सकता। आज बांग्लादेश में वे लोग सत्ता पर कब्जा किए बैठे हैं जिन्हें जनता ने लगातार तीन बार खारिज कर दिया था। यदि बांग्लादेश की जनता अवामी लीग को समर्थन करे और उपद्रवी मजहबी उन्माद के माध्यम से उस समर्थन को ठेंगा दिखाकर सत्ता हड़प लें तो कल्पना करना मुश्किल नहीं कि वह लोकतंत्र कितना दिखावटी होगा। मौजूदा सरकार लोकतंत्र प्रोमी जनता पर थोपी हुई एक ऐसे अराजक और मजहबी कट्टरपंथियों की सरकार है जिसके लिए लोकतंत्र या जनभावनाओं के लिए कोई या स्थान नहीं है।

बहरहाल भारत न तो किसी से डरता है और न ही किसी बात की संकोच करता है। शेख हसीना को सत्ता से हटाने के लिए तमाम विदेशी ताकतें भी षडांत्र में शामिल थीं और वे चाहती थीं कि भारत उन्हें आश्रय न दे किन्तु भारत ने किसी की एक न सुनी। जहां तक रही बात मोहम्मद यूनुस और उनकी टीम की, भारत उनकी भारत विरोधी गतिविधियों से सतर्व रहती है और कई बार उन्हें चेतावनी दे चुकी है कि भारत नहीं चाहता कि बांग्लादेश की जनता को कोई असुविधा हो किन्तु जिस तरह मौजूदा सत्तासीन गुट भारत के साथ शत्रुवत व्यवहार कर रहा है, उससे भारत को संयम रख पाना मुश्किल हो रहा है।

लब्बोलुआब यह है कि भारत समझता है कि उसे अपनी विश्वसनीयता को बचाने के लिए दृढ़ता का परिचय देना आवश्यक है और यही काम विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने किया है। इससे अब शेख हसीना के बारे में दो टूक का संदेश बांग्लादेश को भी मिल गया।

# 'गेट्स फाउंडेशन' ने गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी की रिसर्च टीम को महिलाओं के भारी मासिक धर्म रक्तस्राव से संबंधित रिसर्च के लिए 1 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी

- यह रिसर्च महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाली तकलीफों को दूर करने में सहायक होगी
- कम सुविधा वाले इलाकों में भारी मासिक धर्म रक्तस्राव (एचएमबी) की वजह का पता लगाने के लिए होगा आधुनिक डायग्नोस्टिक्स और एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग
- एचएमबी की समस्या के निवारण और इस विषय में जागरूकता फैलाने के लिए महिलाओं को करेगा आमंत्रित जीबीयू

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 06 दिसंबर : गेट्स फाउंडेशन राज्य सरकार की ओर से संचालित गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी (जीबीयू) की रिसर्च टीम को महिलाओं को पीरियड्स यानी माहवारी के दौरान होने वाले भारी रक्तस्राव पर रिसर्च करने के लिए करीब 1.3 करोड़ रुपए की सहायता देगा।

गेट्स फाउंडेशन की फंडिंग के अंतर्गत जीबीयू की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहिणी नायर के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की एक टीम 'हैवी मेंस्ट्रुअल ब्लीडिंग-एचएमबी' यानी महिलाओं के पीरियड्स के दौरान होने वाले भारी रक्तस्राव के लिए यानी आरएनए-आधारित यानी राईबोन्यूक्लिक एसिड पर आधारित डायग्नोस्टिक एवं उपचार के लिए संसाधन विकसित करने के लिए कार्य करेगी। ये संसाधन सस्ते, स्केलेबल यानी विस्तार करने में सक्षम और कम आक्रामक होंगे।

विशेषकर, दूरदराज के इलाकों में महिलाओं के लिए जल्दी निदान, व्यक्तिगत उपचार और मेंस्ट्रुअल हेल्थ मैनेजमेंट में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ इस प्रोजेक्ट को 'गेट्स फाउंडेशन ग्रैंड चैलेंजेस सपोर्ट' के तहत स्वीकृत किया गया है। गेट्स फाउंडेशन ने इसके लिए लगभग 1.3 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मंजूर की है।

डॉ. रोहिणी नायर ने इस विषय में बताया कि गेट्स फाउंडेशन ने फरवरी, 2025 में 'ग्रैंड चैलेंजेस' फंडिंग कॉल शुरू किया था, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य से संबंधित गंभीर, लेकिन अक्सर उपेक्षा का शिकार रहने वाली समस्या हैवी मेंस्ट्रुअल ब्लीडिंग के निवारण के लिए अभिनव दृष्टिकोण आमंत्रित किए गए थे। फाउंडेशन मूल्यांकन के लिए दो चरणों की प्रक्रिया का पालन करता है, जिसकी शुरूआत कंसेप्ट नोट या लेटर ऑफ इंक्वायरी (एलओआई) से होती है। इसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों से संपूर्ण प्रपोजल मंगाया जाता है, ताकि वैश्विक स्वास्थ्य प्राथमिकताओं और वैज्ञानिक सावधानी या सटीकता बनी रहे। भारी मासिक धर्म रक्तस्राव की समस्या के निवारण और इस संबंध में जागरूकता फैलाने के लिए जीबीयू की ओर से महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा, ताकि यह अन्य महिलाओं के लिए मददगार साबित हो सके।

यह रिसर्च-स्टडी अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिजीज एंड रिसर्च सेंटर (आईकेडीआरसी) के ऑब्स्टेट्रिक्स (प्रसूति रोग) और गायनेकोलॉजी (स्त्री रोग) विभाग की डीन एवं हेड डॉ. रोहिना अग्रवाल के सहयोग से की जाएगी।

रिसर्च के अंतर्गत डॉ. अग्रवाल मरीजों की पहचान और चिकित्सा मूल्यांकन में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि डॉ. नायर की लेबोरेटरी महिलाओं के स्वास्थ्य रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करेंगी। वे, विशेषकर गर्भ धारण करने में बार-बार होने वाली







असफलता (RIF - Repeated Implantation FÔilure) और एंडोमेट्रिओसिस पर एचएमबी के लिए आरएनए-आधारित किफायती और न्यूनतम आक्रामक संसाधन विकसित करने पर सक्रिय रूप से कार्य करेंगी।

डॉ. नायर ने आगे कहा कि आज भारी माहवारी रक्तस्राव (एचएमबी) से दुनिया भर की लाखों महिलाएं प्रभावित हैं। इसके चलते एनीमिया, कार्यक्षमता में कमी, लंबे समय तक थकान महसूस करना और जीवन की गुणवत्ता कमजोर पड़ने जैसी समस्याएं खड़ी होती हैं। इसका प्रभाव उन इलाकों में अधिक गंभीर है, जहां समय पर डायग्नोसिस और प्रभावी उपचार की कम सुविधाएं हैं। यह प्रोजेक्ट हार्मोनल इन्ट्रा-यूरेटाइन डिवाइस जैसे उपचार की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाने के रास्तों की भी खोज करेगा। एचएमबी के व्यापक प्रसार के बावजूद, अभी इसके पीछे के जैविक कारणों के बारे में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। यह केवल वृद्ध महिलाओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि युवा पीढ़ी में भी देखने को मिलता है। हालांकि, हमारे सामाजिक परिवेश के कारण महिलाएं खुलकर बात नहीं कर पातीं और आम तौर पर दर्दनिवारण दवाइयां लेकर अपना काम चलाती हैं।

इस समस्या के बारे में अधिक जानकारी देते हुए डॉ. नायर ने कहा कि एबनॉर्मल यूटेराइन ब्लीडिंग यानी असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव, जिसका एचएमबी एक विषय है, वह विभिन्न कारकों के कारण होता है। जिनमें स्ट्रक्चरल एबनॉर्मलिटीज जैसे कि पोलिप्स, एडिनोमायोसिस, फाइब्रोइड्स और मैलिग्नेंसी-कैंसर शामिल हैं। वहीं, नॉन-स्ट्रक्चरल कारकों में ब्लीडिंग डिसऑर्डर यानी रक्तस्राव विकार, ओव्यूलेटरी और एंडोमेट्रियल डिसफंक्शन का सामवेश होता है।

इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य सिंगल-सेल आरएन सिक्वेंसिंग का उपयोग करके एचएमबी के सेलुलर और मॉलिक्युलर कारकों को मैप करना है, जिससे कि एंडोमेट्रियल माइक्रोएन्वायर्नमेंट का व्यापक डेटा संग्रह तैयार किया जा सके। उम्मीद है कि इस कार्य से मिलने वाली जानकारी असामान्य मासिक रक्तस्राव से जुड़े मुख्य पाथ-वे यानी मार्ग और बायोमार्कर्स की पहचान करेगी।

गुजरात बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के डीन रिसर्च प्रो. सुधीर प्रताप सिंह ने कहा कि जीबीयू इस उपलब्धि को वैश्विक महिला स्वास्थ्य रिसर्च में भारत के योगदान के रूप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानता है और प्रभावशाली एवं विज्ञान-आधारित रिसर्च को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करता है।

एचएमबी पर रिसर्च प्रोजेक्ट का मुख्य फोकस एरिया एचएमबी यानी भारी मासिक रक्तस्राव की फंडामेंटल बायोलॉजी की समझ को आगे बढ़ाना और कम सुविधाओं वाले इलाकों में महिलाओं में इस रोग के फैलाव, प्रभाव और स्त्री रोग स्वास्थ्य तथा जीवन की गुणवत्ता पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करना है।

इसके अलावा, ध्यान केंद्रित करने के अन्य क्षेत्रों में, एचएमबी की जांच के लिए संशोधित पद्धतियां विकसित करना और उन्हें प्रमाणित करना तथा स्टैंडर्डाइज्ड रिसर्च प्रोटोकॉल स्थापित करना और कम सुविधाओं वाले इलाकों में एचएमबी के कारणों की पहचान करने के लिए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक्स तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के साथ-साथ उपचार की प्रभावशीलता, स्वीकार्यता और उपचार तक पहुंच बढ़ाने के रास्तों का मूल्यांकन करना शामिल हैं।

# कच्छ के भुजोडी गांव के 46 बुनकरों ने हासिल किया राष्ट्रीय सम्मान, वीजीआरसी में कच्छ की विरासत को नई पहचान दिलाने के लिए प्रतिबद्ध

- राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता भुजोडी के बुनकर आज भी प्राचीन हस्तकरघा कला को आधुनिक दौर में जीवंत बनाए हुए हैं
- 'कला ही जीवन है': VGRC के माध्यम से भुजोडी के बुनकरों को मिलेगा वैश्विक सफलता का मार्ग

गांधीनगर, 06 दिसंबर : कच्छ का भुजोडी गाँव पारंपरिक कारीगरी का एक जीवंत और सशक्त केंद्र है। यह गाँव अपने 46 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिल्पियों के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। इस समृद्ध शिल्प विरासत में 6 संत कबीर पुरस्कार प्राप्तकर्ता, 20 राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता, 1 शिल्प गुरु, 4 कला-निधि पुरस्कारधारी और हैंडलूम-हस्तकला क्षेत्र में विभिन्न राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले बुनकर भी इसमें शामिल हैं।

भुजोड़ी के वांकर समुदाय के कुशल बुनकर गुजरात की समृद्ध, राजसी युग से चली आ रही वस्त्र परंपरा का गौरवपूर्ण उदाहरण हैं, जो आज भी आधुनिक युग में अपने प्राचीन कौशल की चमक बरकरार रखे हुए हैं। भुजोडी के कारीगर नानजी भीमजीभाई खारेत बताते हैं कि उन्हें और पूरे गाँव को प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनियों में वीवर्स सर्विस सेंटर विभाग से भरपूर सहयोग मिला है। भुजोडी के कारीगर फैबइन्डिया, जयपोर और गरवी गुजरात जैसी प्रतिष्ठित ब्रांड्स के साथ भी काम करते हैं।

भुजोडी विश्वभर में अपने हैंडलूम बुनाई के लिए जाना जाता है, जहाँ





विश्व विख्यात भुजोडी शॉल, पारंपरिक ऊनी रजाइयाँ और कंबल तैयार किए जाते हैं। यहाँ के शिल्पकार जटिल बुनाई तकनीकों, पारंपरिक डिजाइनों और प्राकृतिक, समय-परखी रंगों का इस्तेमाल कर गुजरात के इतिहास की असल बनावट और सांस्कृतिक कथा को जीवित रखते हैं। यह सिर्फ कारीगरी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण प्रयास है, जिसे इन कारीगरों ने अपनी पीढ़ियों की मेहनत और समर्पण से जीवित रखा है।

अब इस विरासत के संरक्षण को एक बड़ा प्रोत्साहन मिलने जा रहा है। जनवरी 2026 के दूसरे सप्ताह में राजकोट में आयोजित होने वाले दूसरे वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेन्स (VGRC) और वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्ज़िबिशन (VGRE) में भुजोडी के ये शिल्पी विशेष रूप से भाग लेने जा रहे हैं। यह सहभागिता आर्थिक और नीतिगत, दोनों स्तरों पर बड़े लाभ का आधार बनेगी। यह क्षेत्रीय सम्मेलन कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्र की आर्थिक और सांस्कृतिक प्रगति विशेषकर हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट क्षेत्र को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

इस कार्यक्रम में एक विशेष क्राफ्ट्स विलेज बनाया जाएगा जहाँ ये कारीगर अपने पुरस्कार-विजेता शिल्प का प्रदर्शन कर सकेंगे। साथ ही एक महत्वपूर्ण रिवर्स बायर-सेलर मीट (RBSM) भी आयोजित होगी जो इन टरटए२ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़ेगी और नए निर्यात बाजारों के द्वार खोलेगी।

इसके अलावा, सम्मेलन का उद्यमी मेला कारीगरों को तात्कालिक व्यावसायिक सहयोग, आर्थिक सहायता, वित्तीय लिंकेज और नीतिगत मार्गदर्शन प्रदान करेगा जिससे समुदाय की उद्यमशीलता क्षमता और भी मजबूत होगी। पर्यटन और संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान यह सुनिश्चित करेगा कि भुजोडी के ये पारंपरिक शिल्पकार अपनी कला-संरक्षण की मेहनत का स्थायी आर्थिक लाभ उठा सकें।

राजकोट का यह श्ऋफ्ळ आयोजन भुजोडी के शिल्पियों के लिए अपने अनुभव, पुरस्कार और वैश्विक पहचान को दीर्घकालिक व्यापारिक सफलता में बदलने का एक ऐतिहासिक अवसर है। यह वह महत्वपूर्ण मोड़ है, जहाँ भुजोडी की कला विरासत को वैश्विक मंच पर निरंतर फलने-फूलने के लिए आवश्यक निवेश और पहचान मिलने की उम्मीद है।

# पुरानी वोटर लिस्ट में नाम गायब, क्या नया एसआईआर फॉर्म रिजेक्ट होगा? क्या कहता है नियम

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश सहित 12 राज्यों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) अभियान के दौरान मतदाता सूची को अपडेट करने का काम तेजी से जारी है। इसी बीच लोगों के मन में एक बड़ा सवाल उठ रहा है अगर 2003 की पुरानी मतदाता सूची में नाम नहीं था, तो क्या अब नया फार्म भरा जा सकता है या नहीं?

इस सवाल का जवाब है-नहीं, ऐसा बिल्कुल नहीं है। यदि 2003 की लिस्ट में आपका या आपके परिवार के किसी सदस्य का नाम दर्ज नहीं है, तब भी नया फॉर्म भरना जरूरी और पूरी तरह वैध है। जानिए पूरा नियम क्या कहता है...

**क्यों जरूरी है नया फॉर्म भरना?**

विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के दौरान घर-घर गणना टीम जाकर एक गणना फार्म देती है। इस फॉर्म को भरना बेहद जरूरी है, क्योंकि ससे आपका मौजूदा पता, रिवार की सदस्य संख्या,उम्र, दस्तावेज और नया विवरण र्तमान स्थिति के अनुसार सही तरह से दर्ज किए जाते हैं। यदि परिवार के किसी भी सदस्य का नाम 2003 की सूची में मौजूद है, तब भी आपको गणना फार्म भरना चाहिए। यह पके पूरे परिवार के नए और अद्यतन विवरणों को रिकॉर्ड में लाता है।

**अगर किसी का भी नाम नहीं है? तब भी चिंता मत करें**

अगर 2003 की मतदाता सूची में परिवार के किसी भी व्यक्ति का नाम नहीं मिलता है तब भी गणना फार्म भरना अनिवार्य है। यह फॉर्म भरने से आपका नया वोटर रजिस्ट्रेशन रुकता नहीं, बल्कि सही तरीके से आगे बढ़ता है।

**रक्फ़ अभियान का उद्देश्य क्या है?**

विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह सटीक और अद्यतन बनाना है। इस प्रक्रिया के तहत पुराने रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की जाती है, नए योग्य मतदाताओं को सूची में जोड़ा जाता है और पहले से मौजूद त्रुटियों को ठीक किया जाता है। इसके साथ ही उन मतदाताओं के नाम हटाए जाते हैं, जो अब जीवित नहीं हैं या अपने मूल क्षेत्र से स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके हैं। निर्वाचन आयोग का लक्ष्य है कि वर्ष 2025 से पहले पूरी मतदाता सूची को वर्तमान स्थिति के अनुसार पूरी तरह सही, साफ-सुथरा और अपडेटेड बनाया जा सके।

**लोगों में भ्रम क्यों फैला?**

2003 की लिस्ट को आधार मानकर किए जा रहे सत्यापन के कारण कई लोगों को लगा कि पुरानी लिस्ट में नाम नहीं है, तो नया फॉर्म मान्य नहीं होगा! किन निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह केवल डेटा मिलान और ऐतिहासिक रिकॉर्ड सत्यापन के लिए है, न कि नई एंट्री को रोकने के लिए। अगर 2003 की सूची में आपका नाम नहीं है, तब भी णना फार्म भरना आवश्यक है। फॉर्म पूरी तरह वैध है। का वोटर रजिस्ट्रेशन बिना किसी बाधा के आगे बढ़ेगा

# उत्तर भारत में शीतलहर से बढ़ी ठिठुरन, दक्षिण में जारी रहेगा बारिश का दौर, किन राज्यों में अलर्ट?

(जीएनएस)।

दिसंबर की ठंडी हवा अब पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले चुकी है। कई राज्यों में सुबह की शुरूआत घने कोहरे की सफेद चादर से हो रही है। उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप बढ़ रहा है, वहीं पहाड़ी इलाकों में बादल उमड़ रहे हैं और बर्फबारी रास्तों को सफेद रंग से ढक रही है।

दूसरी ओर दक्षिण भारत में बादल गरज रहे हैं और बारिश रफ्तार पकड़ रही है। देश के मौसम का यह मेल-ठंड, कोहरा, बारिश और बर्फ-7 दिसंबर को भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करेगा। आइए जानते हैं आज का विस्तृत मौसम अपडेट।

**उत्तरी, मध्य और पूर्वी भारत में ठंड और कोहरा बढ़ेगा**

दिसंबर की ठिठुरन अब साफ दिखने लगी है। कई राज्यों में न्यूनतम तापमान तेजी से गिर रहा है और सुबह की शुरूआत घने कोहरे से हो रही है। यातायात, खासकर सुबह की उड़ानें और ट्रेनें देरी से चल सकती हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में ठंड काफी तेज रहने वाली है। इन इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रह सकता है।

राजस्थान, खासकर शेखावाटी क्षेत्र, में रात का तापमान 2-4त्उ तक गिरने का अनुमान है। पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में भी ठंडी हवा तेज होगी, जिससे सुबह और रात में शीतलहर चलेगी। इस ठंड का असर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर ज्यादा हो सकता है, इसलिए गर्म कपड़ों और जरूरी सावधानी की सलाह दी जा रही है।

**सुबह के समय घना कोहरा**

उत्तर भारत में सुबह के घंटे कोहरे से प्रभावित रहेंगे। कई राज्यों में दृश्यता काफी कम हो सकती है। दिल्ली-ठउफ उत्तर प्रदेश (लखनऊ, कानपुर, आगरा, बाराबंकी), बिहार, असम, मेघालय, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा।

**प्रमुख शहरों का तापमान**

उत्तर भारत के कई बड़े शहरों में आज सुबह से ही ठंड और कोहरे का असर दिखेगा। नई दिल्ली में कोहरा और शीतलहर की वजह से तापमान 8 से 11 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 24-25 डिग्री तक पहुंच सकता है। लखनऊ में घना कोहरा छाया रहेगा और न्यूनतम तापमान 9-10 डिग्री, अधिकतम 24 डिग्री रहेगा।

जयपुर में भी शीतलहर और कोहरे का असर दिखाई देगा, जहां रात का तापमान 8-11 डिग्री और दिन का 24 डिग्री रहने का अनुमान है। भोपाल में ठंडी हवा और हल्का कोहरा रहेगा, और तापमान 11 डिग्री से बढ़कर 25 डिग्री तक जा सकता है। पूर्वी भारत के कोलकाता में भी सुबह कोहरा और हल्के बादल छाए रहेंगे, जहां न्यूनतम तापमान 16 डिग्री और अधिकतम 26 डिग्री रहने की संभावना है।

**पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी तेज**

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ मौसम को प्रभावित कर रहा है। इसके कारण जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी जारी रहेगी। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इन इलाकों में सड़कें फिसलन भरी हो सकती हैं, और तापमान में अतिरिक्त गिरावट से ठिठुरन और बढ़ेगी।

**दक्षिण भारत में बारिश, गरज और तेज हवा**

दक्षिण भारत में नमी और बादलों की मात्रा बढ़ी है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, कुछ स्थानों पर गरज और बिजली भी गिर सकती है। केरल में भी हल्की बारिश और बिजली कड़कने की संभावना है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज हवाएं और गरज-बारिश जारी रहने के संकेत हैं।

दक्षिणी राज्यों में तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी, लेकिन मौसम अस्थिर रहेगा।

**पश्चिमी और तटीय क्षेत्रों में मौसम सामान्य**

मुंबई में मौसम सामान्य रहेगा। हल्की ठंड और सुहावनी हवा के बीच दिन का अधिकतम तापमान करीब 31त्उ रहेगा। चेन्नई में सुबह हल्का कोहरा दिख सकता है, लेकिन दिन में थोड़ा गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा।

# कोई जादू की छड़ी नहीं, सब कुछ कर देंगे', प्रदूषण और स्मॉग पर सीएम रेखा गुप्ता ने दिया जवाब

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश की राजधानी दिल् ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण और स्मॉग को "विरासत में मिली समस्या" बताया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली जैसे महानगर में लॉकडाउन लागू करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या के लिए कोई "जादू की छड़ी" नहीं है।

गुप्ता ने जोर देकर कहा कि प्रदूषण नियंत्रण एक "सतत प्रक्रिया" है और ऐसी जटिल समस्याओं के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की जा सकती। उन्होंने बढ़ती आबादी और सड़क पर वाहनों की कई गुना बढ़ी संख्या को प्रदूषण के प्रमुख कारकों में गिनाया। उनका कहना था कि सरकार को शहर की गति बनाए रखते हुए ही प्रदूषण से निपटना होगा।

**प्रदूषण और स्मॉग विरासत में मिली समस्या**

दरअसल, सीएम रेखा गुप्ता ने ये बयान हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2025 में कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा, "हम हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम हर दिन एक कदम आगे बढ़ रहे हैं।" उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी सरकार ने पिछले 10 महीनों में जिस तेजी से काम किया है, वह पिछली सरकारों (आप और कांग्रेस) को करना चाहिए था।

**दिल् ली भाजपा सरकार ने क् या किए प्रयास?**

सीएम ने अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की लिस् ट भी पेश की। उन्होंने लोगों को खुले में लकड़ी जलाने से रोकने के लिए हीटर उपलब्ध कराने और प्रदूषण कम करने हेतु पानी के छिड़काव जैसी पहल का जिक्र किया। हालांकि, उन्होंने उन रिपोर्टों को सिरे से खारिज किया जिनमें आरोप था कि सरकार वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) निगरानी स्टेशनों के आसपास पानी छिड़ककर आंकड़ों को कम दिखाने की कोशिश कर रही है।

**"यमुना की सफाई "युद्ध स्तर पर" जारी है"**

रेखा गुप्ता ने छठ पूजा के दौरान प्रदूषित यमुना नदी के पास "नकली तालाब" बनाने के आरोपों को भी मनगढ़ंत बताया। उन्होंने यमुना की सफाई को "एक बड़ी परियोजना" कहा, जिसमें सभी प्रमुख नाले मिलते हैं। उन्होंने कहा कि "यह एक दिन का काम नहीं है," और वादा किया कि यमुना की सफाई "युद्ध स्तर पर" जारी है, जिस पर उनकी सरकार सत्ता में आने के बाद से सक्रिय रूप से काम कर रही है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

# आरपीएफ गांधीग्राम का सराहनीय कदमः ऑपरेशन अमानत के तहत यात्री का पर्स सकुशल लौटाया

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल अंतर्गत गांधीग्राम रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन अमानत के तहत ईमानदारी और तत्परता का एक सराहनीय उदाहरण सामने आया है। दिनांक 06.12.2025 (शनिवार) को गांधीग्राम के प्लेटफॉर्म संख्या 02 से सवारी गाड़ी संख्या 19204 (वेरावल-बांद्रा टर्मिनस) के रवाना होने के बाद ऑन ड्यूटी हेड कांस्टेबल श्री सुरेशभाई वाधेला को प्लेटफॉर्म पर एक महिला का पर्स पड़ा हुआ मिला। तत्पश्चात उन्होंने प्वाइंट्समैन को साथ लेकर पर्स को स्टेशन कार्यालय में लाया और ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर तथा रेल सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति में पर्स की जांच की गई।

पर्स में नकद ₹1880/-, एक पैन कार्ड, आधार कार्ड, मोबाइल चार्जर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पाई गई। उक्त पर्स को सुरक्षित रूप से कार्यालय में रखवा दिया गया। कुछ समय पश्चात एक व्यक्ति श्री जितेन्द्र सेवेरा, निवासी अहमदाबाद, स्टेशन पर उपस्थित हुए और पर्स उनकी माता का होना बताया, जो उसी दिन ट्रेन संख्या 19204 के वातानुकूलित कोच बी-6 में यात्रा कर रही थीं। वैध जांच एवं सत्यापन के पश्चात पर्स तथा उसमें रखी समस्त सामग्री सही हालत में यात्री के पुत्र को लौटा दी गई। पर्स मिलने पर यात्री एवं उनके पुत्र द्वारा आरपीएफ गांधीग्राम का हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने कहा कि हेड कांस्टेबल श्री सुरेशभाई वाधेला द्वारा ऑपरेशन अमानत के अंतर्गत किया गया यह कार्य अत्यंत प्रशंसनीय है और रेलवे सुरक्षा बल की ईमानदारी, तत्परता तथा सेवा भावना को दशार्ता है।

# पश्चिम रेलवे चलाएगी सात जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों की सुविधा और यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली, मुंबई सेंट्रल - भिवानी, मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा, वलसाड - बिलासपुर, साबरमती - दिल्ली एवं साबरमती - दिल्ली सराय रोहिल्ला स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 04001/04002 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04001 मुंबई सेंट्रल - नई दिल्ली स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर, 2025 को 23.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20.50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04002 नई दिल्ली - मुंबई सेंट्रल स्पेशल शनिवार, 06 दिसम्बर, 2025 को 22.40 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा एवं मथुरा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल - भिवानी सुपरफास्ट (द्विसाप्ताहिक) स्पेशल (14 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल - भिवानी स्पेशल प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 09 दिसम्बर से 30 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी - मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को 14.35 बजे भिवानी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 10 दिसम्बर से 31 दिसम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, नसीराबाद, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली एवं चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती सुपरफास्ट स्पेशल (04 फेरे)

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल - शकूर बस्ती स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर एवं सोमवार, 08 दिसम्बर, 2025 को 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.00 बजे शकूर बस्ती पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती - मुंबई सेंट्रल स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर एवं मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025 को 10.15 बजे शकूर बस्ती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां एवं दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

4. ट्रेन संख्या 09730/09729 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09730 बांद्रा टर्मिनस - दुगार्पुरा स्पेशल सोमवार, 08 दिसम्बर 2025 को 10.00 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05.30 बजे दुगार्पुरा पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09729 दुगार्पुरा - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल रविवार, 07 दिसम्बर 2025 को 12.25 बजे दुगार्पुरा से प्रस्थान करेगी

# इंडिगो परिचालन संकट पर नागर विमानन मंत्रालय की कार्रवाई - यात्री रिफंड सुरक्षा

**मंत्रालय ने इंडिगो को बिना किसी देरी के यात्रियों के लंबित रिफंड को निपटाने का निर्देश दिया**

(जीएनएस)।

नागर विमानन मंत्रालय ने इंडिगो को सभी लंबित यात्री रिफंड बिना किसी देरी के जारी करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने अनिवार्य किया है कि सभी रद्द या बाधित उड़ानों के लिए रिफंड प्रक्रिया रविवार, 7 दिसंबर 2025 रात 8:00 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। एयरलाइनों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उन यात्रियों से कोई पुनर्निर्धारण शुल्क न लें जिनकी यात्रा योजनाएं उड़ानों के रद्द होने से प्रभावित हुई हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि रिफंड प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी या अनुपालन न होने पर तत्काल नियामक कार्रवाई की जाएगी।

विशेष यात्री सहायता और धन वापसी प्रकोष्ठ

निर्बाध शिकायत निवारण सुनिश्चित करने के लिए, इंडिगो को समर्पित यात्री सहायता और धनवापसी सुविधा प्रकोष्ठ स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। इन प्रकोष्ठों को प्रभावित यात्रियों से सक्रिय रूप से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि धनवापसी और वैकल्पिक यात्रा व्यवस्थाएँ बिना किसी बार-बार अनुवर्ती कार्रवाई के पूरी हो जाएँ। स्वचालित धनवापसी की यह प्रणाली परिचालन पूरी तरह से स्थिर होने तक सक्रिय रहेगी।




सामान प्रबंधन पर आश्वासन

मंत्रालय ने इंडिगो को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उड़ानों के रद्द होने या देरी के कारण यात्रियों से अलग हुए सभी सामान का पता लगाया जाए और अगले 48 घंटों के भीतर यात्री के निवास या चुने हुए पते पर पहुंचा दिया जाए। एयरलाइनों को ट्रैकिंग और डिलीवरी की समय-सीमा के बारे में यात्रियों के साथ स्पष्ट संवाद बनाए रखने और मौजूदा यात्री अधिकार नियमों के तहत जरूरत पड़ने पर मुआवजा देने के लिए कहा गया है।

यात्रियों के लिए शून्य-असुविधा नीति

नागर विमानन मंत्रालय इस व्यवधान के दौरान यात्रियों के अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों, हवाई अड्डों, सुरक्षा एजेंसियों और सभी परिचालन हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग यात्रियों, छात्रों, रोगियों और तत्काल यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए उचित सुविधा सुनिश्चित करने हेतु निगरानी तंत्र को सुदृढ़ किया गया है। मंत्रालय पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया पर लगातार नजर रख रहा है और जल्द से जल्द पूर्ण परिचालन सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

# मेट्रो लाइन पर अब एआई का पहरा, मुंबई मेट्रो में चप्पे-चप्पे पर बढ़ी सुरक्षा और निगरानी

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो ने अपनी सुरक्षा और संचालन क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मेट्रो नेटवर्क में पहली बार एक स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) आधारित व्हील प्रोफाइल मेजरमेंट सिस्टम (अहढटर) लगाया गया है। यह सिस्टम ट्रेन के पहियों में होने वाले घिसाव या संभावित क्षति का सटीक आकलन करेगा। साथ ही, समय रहते मरम्मत या बदलाव की सलाह दे सकता है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इससे मेट्रो की निगरानी बेहतर ढंग से होगी।



यह अत्याधुनिक तकनीक IntelliRail कंपनी ने तैयार की है। इसे मुंबई मेट्रो की लाइन 2A और लाइन 7 पर स्थापित किया गया है। इस सिस्टम का उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाना, पहियों की उम्र बढ़ाना और ट्रैकों पर दबाव कम करना है। कंपनी के अनुसार यह तकनीक लगातार डायग्नोस्टिक इनसाइट्स शेयर करती है। इससे संचालन और सुगम होता है और अचानक आने वाली खराबी और मेंटनेंस से बचा जा सकता है।

Mumbai Metro की सुरक्षा के लिए AI का इस्तेमाल

- IntelliRail ने बताया कि उनका IntelliWPMS सिस्टम सेंसर, कैमरा और लेजर के नेटवर्क से मिलकर बना है। यह पहियों के पैरामीटर्स को अत्यधिक सटीकता के साथ कैप्चर करता है।

- मशीन विजन तकनीक विश्लेषण की गति और गुणवत्ता को और बेहतर बनाती है, जबकि मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है।

- कंपनी के सीईओ पियूष निगम के अनुसार, यह इंस्टॉलेशन कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' पहल पर पूरा उतरती है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे में ऐसे सिस्टम लगाने पर पांच सालों से चर्चा चल रही है।

Mumbai Metro होगी और भी सुरक्षित और आधुनिक

कंपनी का कहना है कि यह सिस्टम नॉन-कॉन्टैक्ट मेजरमेंट तकनीक पर आधारित है। यह टेक्नोलॉजी उपकरणों और ऑपरेशन की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। इसमें 0.5 मिमी तक की सटीकता से व्हील प्रोफाइल और 1.0 मिमी तक की सटीकता से डायमीटर को मापा जा सकता है। पहियों में मामूली अनियमितताएं भी इस तकनीक से पकड़ी जा सकती हैं, जो ट्रेन की सुरक्षा और प्रदर्शन पर असर डाल सकती हैं।

यह सिस्टम मुंबई मेट्रो के चर्कोप डिपो में लगाया गया है। मेट्रो को आधुनिक और सुरक्षित बनाने की दिशा में यह एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। IntelliRail ने कहा कि अब हम भारत को कंडीशन-बेस्ड मेंटेनेंस मॉडल की ओर ले जाएंगे। रिमोट मॉनिटरिंग, सेंसर और डेटा एनालिटिक्स के जरिए मेट्रो संपत्तियों की विश्वसनीयता बढ़ेगी और रखरखाव की लागत कम होगी।

# श्री अमित शाह ने आज गुजरात के वाव-थराद जिले में बनास डेयरी द्वारा नवनिर्मित बायो सीएनजी और फर्टिलाइजर प्लांट का उद्घाटन एवं 150 टन के पावडर प्लांट का शिलान्यास किया

**प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने श्वेत क्रांति 2.0 के लिए बड़े लक्ष्य रखे हैं**

**राष्ट्रीय गोकुल मिशन, एनिमल हसबैंड्री इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड, पुनर्गठित राष्ट्रीय डेयरी योजना तथा राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए श्वेत क्रांति 2.0 जरूर सफल होगी**

**बनास डेयरी ने जो बायो उठऋ प्लांट की परंपरा खड़ी की, वह देश भर की सहकारी समितियों के लिए आदर्श बनेगी**

**माताओं-बहनों के अथक परिश्रम से बनास डेयरी का कारोबार 24 हजार करोड़ तक पहुँचा**

**बनासकांठा और मेहसाणा में जल-संचय तथा पानी के माध्यम से आई समृद्धि पर हो रहे हैं रिसर्च**

**डेयरी कोऑपरेटिव्स हाई-वैल्यू प्रोडक्ट्स के निर्माण पर ध्यान देकर और भी समृद्ध होंगे**

**कोऑपरेटिव्स में ही बनेंगे पशु आहार भी, लाभ सीधा बहनों के बैंक खाते में पहुँचेगा**

**सर्कुलर इकोनॉमी से डेयरी किसान की आमदनी 20 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ जाएगी**

**श्री शाह ने डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनके दिए संविधान के बल पर ऐसी व्यवस्था खड़ी हुई है कि दलित, गरीब, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोग भी सम्मानपूर्ण जीवन जी रहे हैं**

प्रविष्टि तिथिः 06 ऊएउ 2025 5:56ढट ८ ढक्ह ऊ'

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के वाव-थराद जिले में बनास डेयरी द्वारा नवनिर्मित बायो सीएनजी और फर्टिलाइजर प्लांट का उद्घाटन एवं 150 टन के पावडर प्लांट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के विधानसभा अध्यक्ष श्री शंकर चौधरी, केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर और श्री मुरलीधर मोहोल, केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।




कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बनासकांठा में बनास डेयरी की शुरूआत करने वाले गलबाभाई नानजीभाई पटेल ने जो यात्रा शुरू की थी, वह धीरे-धीरे बढ़ते-बढ़ते इस मुकाम पर पहुँच गई है कि आज यहाँ 24 हजार करोड़ रुपए तक का कारोबार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह देश भर में जहाँ भी जाते हैं, वहाँ गर्व से कहते हैं कि गुजरात के गाँवों को समृद्ध बनाने का काम गुजरात की माताओं-बहनों ने किया है। यहाँ के किसान भाइयों, विशेष रूप से सहकारी आंदोलन के अगुआ लोगों, गाँव की दूध मंडलियों के चेयरमैन और बनास डेयरी के डायरेक्टर्स को शायद पता भी न हो कि उन्होंने कितना बड़ा चमत्कार कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि 24 हजार करोड़ रुपए की कंपनी खड़ी करना बड़े-बड़े कॉर्पोरेट्स के लिए भी पसीना छुड़ाने वाला काम होता है, लेकिन बनासकांठा की बहनों और किसानों ने देखते-ही-देखते 24 हजार करोड़ रुपए की कंपनी खड़ी कर दी।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज वह अपने साथ देश की संसद के दोनों सदनों—लोकसभा और राज्यसभा—के सांसदों को लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि आगामी जनवरी में पूरे देश की सभी डेयरियों के लगभग 250 चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बनासकांठा के सहकारी डेयरी क्षेत्र में हुए चमत्कार को अपनी आँखों से देखने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 1985-87 के अकाल के बाद जब वह इस इलाके में आते थे और किसानों से पूछते थे तो बताया जाता था कि वह पूरे साल में सिर्फ एक फसल उगा पाते हैं, लेकिन अब बनासकांठा का किसान एक साल में तीन-तीन फसल उगाता है। मूंगफली भी उगाता है, आलू भी उगाता है, गर्मियों में बाजरा भी बोता है और खरीफ की फसल भी लेता है, जबकि पच्चीस साल पहले बनासकांठा में तीन फसल की खेती करना एक स्वप्न मात्र था।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गुजरात के उन इलाकों से यहाँ पानी की उपलब्धता कराने का काम किया, जहां पानी प्रचुर मात्र में उपलब्ध था। उन्होंने कहा कि सुजलाम-सुफलाम योजना के तहत नर्मदा और माही नदी का अतिरिक्त पानी बनासकांठा पहुँचा। पहले यहाँ का किसान दूसरों के खेतों में मजदूरी करता था। आज उसी किसान ने अपनी जमीन को स्वर्ग बना दिया और पूरे बनासकांठा को समृद्ध बना दिया।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमारी यह परंपरा या आदत नहीं रही कि कोई बड़ा काम करने पर उसका पूरा दस्तावेजीकरण किया जाए या उसका इतिहास लिखा जाए। लेकिन उन्होंने दो विश्वविद्यविद्यालयों को जिम्मेदारी सौंपी है कि वे बनासकांठा और मेहसाणा में जल-संचय तथा पानी के माध्यम से आई समृद्धि और लोगों के जीवन में आए परिवर्तन पर विस्तृत रिसर्च करें। उन्होंने कहा कि बनासकांठा का यह परिश्रम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा और पूरे देश के ग्रामीण विकास के इतिहास में एक प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि खुशी की बात यह है कि इस परिश्रम में महिलाओं का बड़ा योगदान है। श्री शाह ने कहा कि 24 हजार करोड़ रुपए के इस विशाल कारोबार में दूध इकट्ठा करने की सारी मेहनत बनासकांठा की बहनों, बेटियों और माताओं के हाथों से हुई है। उन्होंने कहा कि इन महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण की बातें करने वाली विश्व की तमाम एनजीओ के सामने सबसे जीवंत और सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत कर दिया है। ऐसी पारदर्शी व्यवस्था खड़ी हो चुकी है कि बिना किसी आंदोलन या बिना किसी नारे के, सीधे माताओं-बहनों के बैंक खाते में हर हफ्ते उनके दूध का पूरा पैसा पहुँच रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बनास डेयरी आज एशिया की सबसे बड़ी दुग्ध उत्पादक डेयरी बन चुकी है। इसमें गलवा काका का बड़ा योगदान है। गलबा काका ऐसे व्यक्तित्व थे जिनके हृदय में केवल किसान हित की भावना बसती थी। वर्ष 1960 में वडगाम और पालनपुर - सिर्फ दो तहसीलों के मात्र आठ गाँवों की दूध मंडलियों से शुरू हुई यह यात्रा आज 24 हजार करोड़ रुपए के टर्नओवर तक पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि गलबाभाई द्वारा शुरू की गई परंपरा का मूल मंत्र बहुत सरल था कि 'हमारे पास रुपये तो कम हैं, लेकिन हम खूब सारे लोग हैं।' श्री शाह ने कहा कि बहुत सारे लोगों द्वारा थोड़े-थोड़े रुपए इकट्ठा करके बड़ा काम करने का उनका विचार एक विशाल वटवृक्ष बन गया है, जो देश ही नहीं, विश्व के सभी सहकारी आंदोलनों को प्रेरणा दे रहा है।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने जो संविधान इस देश को दिया, उसके बल पर दलित, गरीब, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के लोग भी सम्मानपूर्ण जीवन जी सकें, ऐसी मजबूत व्यवस्था खड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि वह बाबा साहब को हृदयपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्री शाह ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के तहत गुजरात में चल रही एक विशाल पदयात्रा का समापन समारोह भी आज ही है।

# ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुनिया भर में मशहूर नागालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में हिस्सा लिया

**स्विट्जरलैंड, आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम हॉर्नबिल 2025 के लिए भागीदार देशों के तौर पर शामिल हुए**

**प्रधानमंत्री मोदी का एक्ट ईस्ट विजन पूर्वोत्तर को दुनिया के लिए भारत का पहला फ्रंटियर बना रहा हैः सिंधिया**

**फेस्टिवल में नागालैंड की जीती-जागती विरासत, आदिवासी परंपराएं और सांस्कृतिक चमक को प्रदर्शित किया गया**

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार और डीओएनईआर मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नागालैंड के अपने 3 दिन के दौरे के तहत, राज्य की अनोखी सांस्कृतिक विरासत और इसकी 17 जनजातियों की समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाते हुए, दुनिया भर में मशहूर नागालैंड के हॉर्नबिल फेस्टिवल में हिस्सा लिया। इस इलाके के साथ अपने गहरे निजी रिश्ते को दोहराते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'नागालैंड और इसकी 17 जनजातियों के साथ मेरा रिश्ता ऐसा है जिसे मैं दिल से महसूस करता हूं। मैं अपने साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उम्मीदें, आकांक्षाओं और पक्का वादा लेकर आया हूं, जिनका एक्ट ईस्ट विजन पूर्वोत्तर को दुनिया के लिए भारत की पहली सरहद बनाना है।'

मशहूर किसामा हेरिटेज विलेज में होने वाला हॉर्नबिल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर पर खास ध्यान देने की वजह से बहुत तेजी से बढ़ा है। पीएम के सांस्कृतिक कूटनीति, संपर्क (कनेक्टिविटी) और पर्यटन पर जोर देने से इस फेस्टिवल को दुनिया भर में पहचान मिली है और इस साल स्विट्जरलैंड, आयरलैंड और यूनाइटेड किंगडम आधिकारिक भागीदारी देशों के तौर पर इसमें शामिल हुए, जो पूर्वोत्तर को अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्र पर जगह दिलाने के लिहाज से एक बड़ा कदम है।



यह फेस्टिवल आदिवासी नृत्य, हथकरघा प्रदर्शिन, देसी खेल, गांव की सैर, खाने-पीने के वंजनों की प्रदर्शनी, शाम के कॉन्सर्ट और मशहूर हॉर्नबिल इंटरनेशनल रॉक कॉन्टेस्ट सहित परंपरा और समकालीन रचनात्मकता का एक शानदार मेल है, जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि सांस्कृतिक कहानियां असली और सामुदायिकता पर आधारित रहें।

हॉर्नबिल और तौफेमा गांव में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थित सिंधिया

अपने दौरे के दौरान, मंत्री ने कारीगरों, उद्यमियों और सांस्कृतिक लोगों से गहराई से बातचीत की। तौफेमा गांव में रीजनल क्राफ्ट एंड रिसोर्स सेंटर में, उन्होंने महिला कारीगरों और डिजाइनर मार्गेरिटा से बातचीत की, नागा खु (टोकरी) बुनाई में हिस्सा लिया और नागा दाओ की क्राफ्टिंग देखी। उन्होंने अंगामी कलाकारों के साथ ताती भी बजाया, जो एक देसी तार वाला वाद्य यंत्र है।

बाद में, एक स्थानीय कॉफी फार्म में, उन्होंने ताजी भुनी हुई नागा दाल और मेयेविनो, टोलिबो और विटोजुनियो के बनाए हाथ से बने मफिन और विटोस्वू की बनाई कॉफी का स्वाद चखा। वे मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ एक पारंपरिक कॉफी बनाने के सत्र में शामिल हुए और युवा कॉफी उद्यमियों से बातचीत की। शाम को, उन्होंने अंगामी, चाखेसांग और कोन्याक मोरंग का दौरा किया और हॉर्नबिल हैंडीक्राफ्ट मार्केट में महिला बुनकरों और कारीगरों से मुलाकात की।

पारंपरिक अंगामी पत्थर-खींचने के समारोह में भागीदारी और ₹650 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण

इससे पहले दिन में, केंद्रीय मंत्री ने तुओफेमा गांव में मशहूर अंगामी पत्थर तोड़ने के समारोह में भी हिस्सा लिया। इसे एकता और मिलकर काम करने की भावना का प्रतीक बताते हुए, उन्होंने नागा समाज की हमेशा बनी रहने वाली सांस्कृतिक ताकत पर जोर दिया।

दोपहर में, उन्होंने डीओएनईआर मंत्रालय और भारत सरकार के 'एक्ट ईस्ट, एक्ट फास्ट, एक्ट फर्स्ट' विजन, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने आगे बढ़ाया था, के तहत लगभग ₹650 करोड़ के विकास पैकेज का अनावरण किया। इसमें स्वास्थ्य, खेल, बिजली, शिक्षा, नवाचार और मुख्य रोड कॉरिडोर से जुड़े ₹202 करोड़ से ज्यादा की नई परियोजनाओं का उद्घाटन और ₹443 करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, जो नागालैंड में विकास को गति देने, कनेक्टिविटी को गहरा करने और आर्थिक अवसरों को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पीएम मोदी के नेतृत्व के बदलाव लाने वाले नतीजों पर जोर देते हुए, मंत्री ने इलाके के विकास की रफ्तार में जबरदस्त तेजी का जिक्र किया और कहा, 'हवाई अड्डे और राजमार्ग से लेकर दूरसंचार और क्रॉस-बॉर्डर संपर्क तक, पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचा जबरदस्त तेजी से आगे बढ़ रहा है। अकेले नागालैंड में लगभग ₹650 करोड़ की नई परियोजनाओं के साथ, हम अपने लोगों की उम्मीदों के मुताबिक भविष्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'

केंद्रीय मंत्री ने फिर से कहा कि प्रधानमंत्री जिस पूर्वोत्तर को भारत की अष्ट लक्ष्मी मानते हैं, वह अब देश के सबसे तेजी से बढ़ने वाले इलाकों में से एक है, जिसे युवा, महत्वाकांक्षी और मेहनती लोगों की मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि डीओएनईआर और राज्य सरकार के बीच करीबी तालमेल से पाइपलाइन में पहले से चल रही अगली परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा।

# ना कर्फ्यू, ना दंगा, यूपी में सब चंगा... 6 दिसंबर को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ का दिल्ली में बड़ा बयान

(जीएनएस)।

**सीएम योगी ने बताया कि साल 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश की परसेप्शन बदलने का संकल्प लिया गया. अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई, जिससे राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है.**

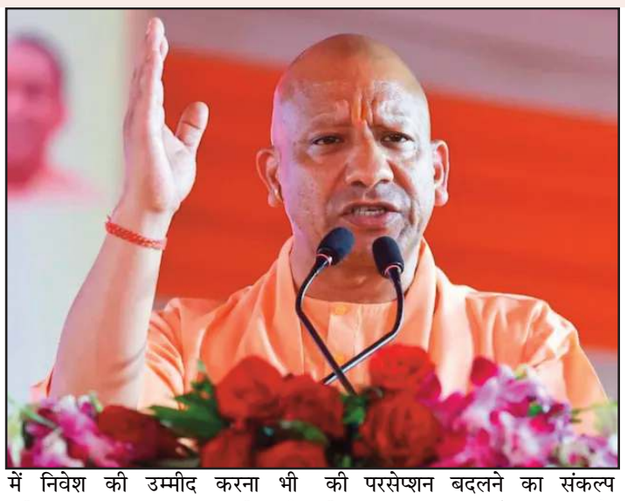



लखनऊः (जीएनएस)। दिल्ली के एक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबे की शांति और कानून व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि स्थिति मजबूत है. उन्होंने यह भी कहा कि ना तो कर्फ्यू है और दंगे का माहौल है. यह बदलाव कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के परिणामस्वरूप हुआ है. इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि आठ साल पहले उत्तर प्रदेश में निवेश की उम्मीद करना भी मुश्किल था. जब आम व्यक्ति ही सुरक्षित नहीं था तब पूंजीपति की सुरक्षा की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी.

सीएम योगी ने बताया कि साल 2017 में सरकार बनने के बाद प्रदेश की परसेप्शन बदलने का संकल्प लिया गया. अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई, जिससे राज्य में कानून व्यवस्था बेहतर हुई है. सीएम योगी ने यह भी कहा कि पहले 6 दिसंबर को कर्फ्यू जैसा वातावरण नजर आता था. लेकिन वर्तमान समय में ना कहीं दंगा है, ना अशांति. हर जगह शांति का माहौल है और प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है. सीएम योगी ने यह भी कहा कि इस दिन इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया था, जब सांस्कृतिक गौरव की पुनर्प्राप्ति हुई.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि यह केवल एक घटना नहीं. बल्कि भारत की विरासत और सांस्कृतिक आत्मसम्मान के पुनर्जीवन का क्षण था. योगी के मुताबिक 6 दिसंबर का दिन भारत की सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक पहचान के प्रति सम्मान और संकल्प को मजबूत करता है. सीएम योगी ने यह भी कहा कि आज यूपी निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक बन चुका है. मजबूत कानून व्यवस्था ने न सिर्फ निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है. बल्कि प्रदेश में विकास की नई संभावनाएं भी खोली हैं.

# पूरनपुर बिजली कार्यालय में तबादला नीति की खुली अवहेलना

**तीन वर्ष से अधिक तैनाती पर किसान संगठनों का आक्रोश, योजना समाप्ति पर कार्रवाई का वादा - भ्रष्टाचार व अव्यवस्था का खतरा**




(जीएनएस)।

पीलीभीत, 6 दिसंबर पूरनपुर विद्युत उपखंड कार्यालय में कर्मचारियों के स्थानांतरण नियमों की गंभीर अनदेखी सामने आई है। राज्य सरकार और विद्युत विभाग के प्रबंध निदेशक द्वारा जारी स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, कई कर्मचारी तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही पद और कार्यालय में तैनात हैं। यह लापरवाही विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है, जिससे भ्रष्टाचार व अव्यवस्था का खतरा बढ़ गया है। किसान संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा की है और तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

समस्या का विस्तृत विवरणः

विद्युत विभाग के नियमों के अनुसार, किसी कर्मचारी को एक ही स्थान पर अधिकतम तीन वर्ष तक ही तैनाती की अनुमति है। तीन वर्ष पूरे होने पर अनिवार्य रूप से स्थानांतरण किया जाना चाहिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और स्थानीय प्रभाव से मुक्त हो। लेकिन पूरनपुर उपखंड कार्यालय में उपखंडीय लिपिक हर्षित श्रीवास्तव और मुरारीलाल सहित कई कर्मचारी चार-पांच वर्षों से एक ही पद पर जमे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, इनके तबादले के लिए न तो कोई प्रस्ताव ऊपर भेजा गया और न ही अधिकारियों ने कोई कदम उठाया। ग्रामीण इलाकों में बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे में देरी हो रही है, जिसका एक कारण यह लंबी तैनाती ही बताई जा रही। स्थानीय लोग परेशान हैं - बिलिंग त्रुटियां, मीटर रीडिंग में अनियमितता और कनेक्शन मंजूरी में भेदभाव के आरोप लग रहे।

किसान संगठनों की प्रतिक्रियाः

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह और अन्नदाता किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष गुरविंदर सिंह ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताई। मंजीत सिंह ने कहा, "लंबी तैनाती से कर्मचारी स्थानीय लॉबी से जुड़ जाते हैं, जिससे भ्रष्टाचार पनपता है। किसानों को बिजली सब्सिडी व कनेक्शन में परेशानी होती है। तबादला समय पर न हो तो विभाग भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाता।" गुरविंदर सिंह ने चेतावनी दी, "यदि इन कर्मचारियों का तत्काल स्थानांतरण न किया गया तो हम जिला स्तर पर धरना देंगे और ऊंचे अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाएंगे।" किसान नेताओं का कहना है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बिजली विभाग का सीधा असर पड़ता है, इसलिए पारदर्शिता जरूरी।

विभागीय सफाई व आश्वासनः

शनिवार दोपहर तीन बजे अधिशासी अभियंता (ए) हरेंद्र सिंह ने आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "वर्तमान में बिजली बिल राहत योजना चल रही है, जिसके तहत किसानों व उपभोक्ताओं को सब्सिडी दी जा रही। योजना की सफलता के लिए सभी कर्मचारी वर्तमान स्थान पर बने रहेंगे।" उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना 31 दिसंबर तक चलेगी, उसके बाद नियमों के अनुपालन में तबादलों की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। "किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं हो रहा, सब कुछ विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार है। शिकायतों पर जांच कर उचित कदम उठाएंगे।" ए ने किसानों से अपील की कि बिल राहत के लिए समय पर आवेदन करें।

निष्कर्ष व मांगः

यह विवाद पूरनपुर विद्युत उपखंड की कार्यप्रणाली में गहरी विसंगति को उजागर करता है। लंबी तैनाती से न केवल भ्रष्टाचार बढ़ता है, बल्कि सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। किसान संगठन व ग्रामीणों की मांग है कि योजना का हवाला देकर नियमों की अनदेखी न हो - तत्काल जांच हो और तबादले किए जाएं। जिला विद्युत अधिकारी ने कहा कि शिकायतों पर रिपोर्ट मांगी गई है।

# पंचायत भवन बड़ागांव मे एक विशेष शिविर का आयोजन

**पांच वर्ष से कम आयु वाले 28 बच्चो का निशुल्क नया आधार कार्ड बना**



(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। क्रिसील फाउंडेशन एव नाबार्ड के सहयोग से वित्तीय समावेशन डाक घर बिन्दौरा द्वारा पंचायत भवन बड़ागांव मे एक विशेष शिविर का आयोजन कर पांच वर्ष से कम आयु वाले 28 बच्चो का निशुल्क नया आधार कार्ड बनाया व 4 सुमंगला समृद्धि योजना के खाते खोले गये तथा डाक विभाग द्वारा संचालित आर डी, एफ डी एव अटल पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी ।

विशेष शिविर का शुभारंभ करते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नूर मोहम्मद ने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य गांव के तमाम ऐसे 0 से 5 वर्ष के बच्चे है जिनके किन्ही कारणों से आधार कार्ड नही बन पाये है उनके आधार कार्ड बनवाना एव दस वर्ष से कम आयु वाली बेटियों का सुमंगला समृद्धि योजना के तहत पंजीकरण कराकर खाते का खुलवाना जिससे बेटियों का भविष्य बन सके। किंसिल नाबार्ड के तत्वाधान मे आयोजित विशेष शिविर मे पोस्ट आफिस बिन्दौरा के सहायक बी पी एम उमाशंकर श्रीवास्तव , नाबार्ड से आये विश्वनाथ ने प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, आर डी, एफ डी, आर पी एल आई आदि योजना की जानकारी दी शिविर मे 28 नये आधार कार्ड एव 4 सुमंगला समृद्धि योजना के खाते खोले गये।

इस मौके पर ग्राम पंचायत सचिव जैसराम , तकनीकी सहायक दिनेश कुमार, पंचायत सहायक सैय्यदा बानो आदि लोग मौजूद रहे।

# गैस रिसाव पर प्रशासन सक्रिय, जांच टीम ने किया घटनास्थल का दौरा, प्रभावितों से ली जानकारी






(जीएनएस)।

पुटकी अंचल एवं केंदुआडीह थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में हुए गैस रिसाव के बाद स्थिति का आकलन करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति ने शनिवार को पूरे क्षेत्र का विस्तृत दौरा किया। अपर समाहर्ता श्री विनोद कुमार के नेतृत्व में जांच टीम राजपूत बस्ती, नया धौड़ा, मस्जिद मोहल्ला सहित अन्य प्रभावित स्थानों पर पहुँची और स्थानीय निवासियों से सीधे बातचीत कर घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति समझी।

टीम ने गैस रिसाव की शुरूआत कैसे हुई, इसके कारण हो रही स्वास्थ्य समस्याओं, अब तक किए गए राहत एवं बचाव कार्यों, तथा वर्तमान में लोगों को हो रही दिक्कतों एवं चुनौतियों पर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण जानकारियाँ एकत्रित कीं।

निरीक्षण के क्रम में जांच समिति कुस्तौर क्षेत्रीय अस्पताल भी पहुँची, जहाँ गैस से प्रभावित इलाजरत मरीजों से उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। टीम ने अस्पताल में तैनात मेडिकल अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों से भी बात कर उपचार की उपलब्धता एवं चिकित्सा व्यवस्था की समीक्षा की।

जांच टीम में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री संजय कुमार झा, आईटी मैनेजर रूपेश कुमार मिश्रा, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, सहायक श्रमायुक्त प्रवीण कुमार तथा जिला राजस्व शाखा से प्रशांत झा शामिल थे। वहीं, स्थानीय स्तर पर पुटकी अंचलाधिकारी विकास आनंद, केंदुआडीह थाना प्रभारी प्रमोद पांडेय तथा पीबी एरिया के निवर्तमान जीएम जी. सी. साहा भी पूरी अवधि तक समिति के साथ मौजूद रहे।

# गोरा गांवः बिजली तारों की लापरवाही से ग्रामीण दहशत में, जमीन से 4-5 फीट ऊपर झूल रहे - बच्चों-मवेशियों को खतरा, विभाग ने सुधार का आश्वासन



(जीएनएस)।

पीलीभीत, 6 दिसंबर सेहरामऊ थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोरा में बिजली विभाग की लापरवाही ग्रामीणों की जान पर बन रही है। गांव के कई स्थानों पर बिजली के तार जमीन से महज 4-5 फीट की ऊंचाई पर लटक रहे हैं, जिससे राहगीरों, बच्चों और मवेशियों को करंट लगने का गंभीर खतरा बना हुआ है। यह समस्या महीनों से चली आ रही है, लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। ग्रामीणों ने शिकायत की, लेकिन अनदेखी से आक्रोश बढ़ गया है।

समस्या का पूरा विवरणः

गोरा गांव के मुख्य मार्गों और घरों के पास बिजली के तार टूटे-फटे पोलों से लटक रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ये तार इतने नीचे हैं कि सिर ऊंचा करके चलना पड़ता है। विशेष रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों और खेतों में घूमने वाले मवेशियों के लिए यह घातक साबित हो सकता है। बारिश के मौसम में स्थिति और खराब हो जाती - गीले तारों से करंट का प्रवाह बढ़ जाता, जिससे दुर्घटना का डर और गहरा जाता। गांव के एक बुजुर्ग ने कहा, "तार इतने नीचे हैं कि बैलगाड़ी भी फंस जाती। विभाग को कई बार बताया, लेकिन जेई साहब का कोई जवाब नहीं।" आसपास के गांवों जैसे ढका और अमरिया में भी यही समस्या है, जहां पुराने तारों की मरम्मत न होने से हादसे की आशंका बनी हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग बजट होने के बावजूद प्राथमिकता नहीं दे रहा, जिससे ग्रामीण इलाकों की सुरक्षा दांव पर है।

ग्रामीणों की शिकायतें व प्रतिक्रियाः

गोरा निवासी मसरुल्ला खान ने बताया, "हमेशा तारों से डर लगता है। बच्चे खेलते हुए छू लें तो क्या होगा? विभाग की लापरवाही से कोई बड़ा हादसा हो गया तो जिम्मेदार कौन?" वहीं, उस्मान उर्फ गनी ने कहा, "मेरे घर के ठीक सामने तार झूल रहे हैं। बाहर निकलने या अंदर आने में जान पर बन आती। यह मुख्य रास्ता है, सैकड़ों लोग रोज गुजरते।" ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान से भी शिकायत की, लेकिन कोई राहत न मिलने पर अब तहसील स्तर पर अपील करने की योजना बना रहे। उनका कहना है, "स्वच्छ भारत के साथ सुरक्षित बिजली भी जरूरी। विभाग जागे तो हादसा टल सकता।" गांव में 300 से अधिक परिवार प्रभावित हैं, और कई जगहों पर तारों को हाथ से ऊपर उठाकर गुजरना पड़ता।

विभाग की प्रतिक्रियाः

इस संबंध में जूनियर इंजीनियर (जेई) अक्षर पटेल से बात की गई, तो उन्होंने कहा, "पहले इसकी सूचना नहीं मिली थी। अब शिकायत मिलने के बाद तुरंत टीम भेजकर तारों को ऊंचा करने और मरम्मत का काम शुरू कर देंगे। सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है, दो-तीन दिनों में समस्या हल हो जाएगी।" सेहरामऊ थाना प्रभारी ने भी बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर विभाग को निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम ने कहा, "ऐसी समस्याओं पर सख्ती करेंगे, नियमित निरीक्षण बढ़ाएंगे।"

निष्कर्ष व अपीलः

यह घटना बिजली विभाग की ग्रामीण स्तर पर लापरवाही को उजागर करती है। तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर रखना विभाग का दायित्व है, वरना जानमाल का नुकसान हो सकता। ग्रामीणों ने मांग की - तत्काल मरम्मत व भविष्य में ऐसी अनदेखी न हो। जिला विद्युत अधिकारी ने आश्वासन दिया कि पूरे जिले में सुरक्षा ऑडिट होगा।

# टाइगर रिजर्व में बाघ गणना का प्रशिक्षणः 6 वन प्रभागों के अधिकारियों को डिजिटल तकनीकें सिखाईं, एम-स्ट्रिप्स उपकरण पर जोर - राष्ट्रीय बाघ आकलन-2026 के लिए नोडल केंद्र

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 6 दिसंबर टाइगर रिजर्व (PTR) में अखिल भारतीय बाघ गणना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दो दिवसीय महत्वपूर्ण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में छह वन प्रभागों के वन अधिकारियों ने भाग लिया, जहां उन्हें बाघों की वैज्ञानिक गणना की बारीकियां और आधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग सिखाया गया। ढळफ को राष्ट्रीय बाघ आकलन-2026 का नोडल केंद्र बनाया गया है, जिसके तहत आसपास के प्रभागों को तैयार किया जा रहा। यह कदम वन्यजीव संरक्षण में नई ऊर्जा का संचार कर रहा है।

प्रशिक्षण का पूरा विवरणः

शिविर PTR के प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित हुआ, जिसमें शाहजहांपुर, बिजनौर, नजीबाबाद, शिवालिक, सामाजिक वानिकी पीलीभीत और ढळफ के प्रभागीय वन अधिकारी (ऊ्रू्ह) सहित 50 से अधिक अधिकारी शामिल हुए। प्रशिक्षण का फोकस बाघ गणना की नवीनतम पद्धतियों पर था, जैसे फील्ड सर्वे, डेटा संकलन, कैमरा ट्रैपिंग और 'M-STRIPES' (Mo»»fitori»»fg System for



Tigers: I»»fte»»fsive Protectio»»f Ô»»fd EcologicÔl StÔtus) सॉफ्टवेयर का उपयोग। अधिकारियों को सिखाया गया कि कैसे डिजिटल टूल्स से बाघों की सटीक संख्या, उनके आवास की स्थिति और खतरे का आकलन किया जाए। व्यावहारिक सत्रों में फील्ड वॉक और सिमुलेशन शामिल थे, जहां प्रतिभागियों ने जंगल में ट्रैकिंग की प्रैक्टिस की। ढळफ के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने उद्घाटन करते हुए कहा, "यह गणना न केवल बाघों की संख्या बताएगी, बल्कि उनके संरक्षण की रणनीतियों को मजबूत करेगी। ढळफ पहले ही T2 पुरस्कार जीत चुका, अब 2026 में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।"

उद्देश्य व महत्वः

प्रशिक्षण का मुख्य लक्ष्य बाघ गणना को वैज्ञानिक व सटीक बनाना है, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर बाघों की वास्तविक स्थिति का पता चले। भारत सरकार के वन्यजीव संस्थान (हक्क्र) के विशेषज्ञों ने सत्र संचालित किए, जो ड्रोन मैपिंग, जीपीएस ट्रैकिंग और अक-आधारित विश्लेषण पर केंद्रित थे। अधिकारियों ने बताया कि ट-रळफ्क्लहएर ऐप से रीयल-टाइम डेटा अपलोड होगा, जो गणना की पारदर्शिता बढ़ाएगा। PTR क्षेत्र में बाघों की संख्या पहले ही दोगुनी हो चुकी है, और यह प्रशिक्षण आसपास के प्रभागों को समान स्तर पर लाएगा। एक ऊ्रू्ह ने कहा, "डिजिटल टूल्स से गणना आसान व सटीक हो जाएगी, जो संरक्षण प्रयासों को बूस्ट देगी।" कार्यक्रम में पर्यावरण कार्यकर्ता व स्थानीय समुदाय प्रतिनिधि भी आमंत्रित थे, जिन्होंने बाघ संरक्षण में सहयोग का भरोसा दिया।

प्रतिक्रिया व भविष्यः

डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने समापन पर कहा, "प्रशिक्षण सफल रहा। अब अधिकारी फील्ड में उतरेंगे, और जनवरी 2026 से गणना शुरू होगी। ढळफ का योगदान राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण।" प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण की सराहना की - "वैज्ञानिक तरीके से बाघों की रक्षा मजबूत होगी।" यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के वन संरक्षण प्रयासों का हिस्सा है, जहां ढळफ को मॉडल के रूप में देखा जा रहा। जिला वन अधिकारी ने बताया कि इसी तरह के और शिविर आयोजित होंगे।

निष्कर्षः

बाघ गणना-2026 ढळफ के नेतृत्व में सफल होगा, जो वन्यजीव संरक्षण में नया अध्याय जोड़ेगा।

# दिनांक 7 दिसंबर 2025 को अध्ययन केंद्र 32011 में इग्नू के संबंध में इंडक्शन मीटिंग

दिनांक 7 दिसंबर 2025 को महुदा महाविद्यालय महुदा स्थित इग्नू अध्ययन केंद्र 32011 में जुलाई 2025 सत्र के नव नामांकित शिक्षार्थियों के लिए इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया है सभी नव नामांकित छात्रों से आग्रह है कि इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर इग्नू के बारे में अधिक से अधिक जानकारी ले सकते हैं यह जानकारी 32011 के समन्वयक प्रोफेसर श्यामलाल महतो ने दी




# जिला पंचायत में 25 करोड़ टेंडर घोटाले का शकः छुट्टी पर इंजीनियर का डोंगल अवैध इस्तेमाल

**करीबी ठेकेदारों को फायदा - सीडीओ ने डीएम को सूचना, जांच रिपोर्ट में देरी से विवाद**

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 6 दिसंबर जिला पंचायत में विकास कार्यों के 25 करोड़ रुपये के टेंडर प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि छुट्टी पर गए इंजीनियर का डिजिटल सिग्नेचर (डोंगल) का अवैध उपयोग कर टेंडर खोले गए, जो करीबी ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने का प्रयास था। इस 'मैनेजमेंट' ने पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए। शिकायतों के बाद मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ने जांच के आदेश दिए, लेकिन रिपोर्ट में देरी से मामला और उलझ गया।

घटना का पूरा विवरणः

जिला पंचायत के ग्रामीण विकास कार्यों - सड़क निर्माण, नाली सफाई व पेयजल योजनाओं - के लिए 25 करोड़ के टेंडर 28 नवंबर को खुले। लेकिन सूत्रों के अनुसार, संबंधित इंजीनियर की छुट्टी के दौरान उनका डोंगल किसी अन्य ने इस्तेमाल किया, जिससे निम्नतम बोली वाले ठेकेदारों को दरकिनार कर ऊंची बोली वालों को फायदा पहुंचा। यह अनियमितता ई-टेंडरिंग सिस्टम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है, जहां डिजिटल सिग्नेचर केवल अधिकृत




व्यक्ति ही उपयोग कर सकता। स्थानीय ठेकेदारों ने शिकायत की कि इससे भ्रष्टाचार का रास्ता खुल गया। एक प्रभावित ठेकेदार ने कहा, "हमारी बोली कम थी, लेकिन डोंगल मिसयूज से दूसरों को चुना गया। यह सरकारी धन का दुरुपयोग।"

प्रशासनिक कार्रवाई व देरीः

शिकायत मिलते ही सीडीओ राजेंद्र श्रीवास्तव ने 2 दिसंबर को जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी (एएमए) धर्मेंद्र कुमार को दो दिनों में जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। लेकिन शनिवार तक चार दिन बीतने के बावजूद रिपोर्ट न मिलने से संदेह गहरा गया। एएमए की चुप्पी को मामला दबाने का प्रयास माना जा रहा। सीडीओ ने सख्ती दिखाते हुए कहा, "रिपोर्ट अभी तक नहीं आई। मैं पूरे प्रकरण को जिलाधिकारी (DM) ज्ञानेंद्र सिंह को अवगत कराऊंगा, और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करूंगा।" जिला पंचायत राज अधिकारी ने भी पुष्टि की कि ईमेल व डिजिटल लॉग चेक हो रहे, लेकिन विवरण न दिए। ठेकेदार संघ ने मांग की - टेंडर रद्द कर नई प्रक्रिया शुरू हो।

प्रभाव व प्रतिक्रियाः

यह विवाद जिला पंचायत की छवि को धूमिल कर रहा। 25 करोड़ के टेंडर में देरी से विकास कार्य रुक गए, ग्रामीण इलाकों में सड़क-नाली की समस्या बढ़ी। स्थानीय इखढ विधायक ने कहा, "पारदर्शिता जरूरी, दोषियों पर कार्रवाई हो।" विपक्षी नेता बोले, "भ्रष्टाचार रोकने के लिए ई-टेंडरिंग मजबूत हो।" ऊ्ट कार्यालय से संकेत मिले कि जांच के बाद दोषी इंजीनियर व अधिकारियों पर क्ढउ 420 व विभागीय कार्रवाई हो सकती। ठेकेदारों ने चेतावनी दी - रिपोर्ट न आने पर प्रदर्शन करेंगे।

निष्कर्षः

टेंडर प्रक्रिया में डोंगल मिसयूज जैसे कदम सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाते। सीडीओ की ऊ्ट को सूचना से उम्मीद है कि सख्त कदम उठेंगे। पारदर्शिता बहाल करने की जरूरत।